



दिल्ली में हुई केरल प्रदेश कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं हुए शशि थरूर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 23 जनवरी। ऐसी खबरें हैं कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जिनके बारे में खबरें हैं कि वे राहुल गांधी से पर्याप्त सम्मान नहीं मिलने के कारण “नाराज” हैं। उम्मीद थी कि वे केरल विधानसभा चुनाव, जो इस साल के अंत में होने वाले हैं, की तैयारियों की समीक्षा के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में भाग लेंगे। थरूर के करीबी सूत्रों ने पूर्व में कहा था कि वे बैठक में वचुअली भाग लेंगे।

सत्रों के मुताबिक, थरूर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में व्यस्त होने के कारण मीटिंग में नहीं आए। उन्हें कोझिकोडे लिटरेचर फेस्टिवल में भाग लेना था।

कांग्रेस के राज्य इकाई के प्रमुख नेताओं की गांधी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड्गे से दिल्ली में इस दोपहर मुलाकात हुई। राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम से चार बार के सांसद, थरूर से उम्मीद की जा रही थी कि वे बैठक में शामिल होंगे, हालांकि इन दिनों पार्टी से उनके रिश्ते बहुत अच्छे नहीं हैं और वे पहले भी कांग्रेस पार्टी की कई मीटिंग्स में नहीं आए।

चर्चा है कि वे राहुल गांधी से उचित सम्मान नहीं मिलने के कारण ख़फा हैं

- सूत्रों ने कहा कि थरूर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम, कोझीकोडे लिटरेचर फेस्टिवल में व्यस्तता के कारण नहीं आ पाए, हालांकि, पूर्व में यह भी खबर थी कि वे केरल के कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक में वर्चुअली शामिल होंगे।
- काफी समय से थरूर और कांग्रेस नेतृत्व के रिश्ते खराब चल रहे हैं, खासकर थरूर द्वारा समय-समय पर प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने के कारण।
- थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार के रूख की तारीफ की और यही नहीं, भारत सरकार ने उन्हें ऑपरेशन सिंदूर पर अपना पक्ष रखने के लिए विदेश दौरे पर जाने वाली टीम में भी शामिल किया था।
- कांग्रेस में बार-बार यह आरोप लग रहा है कि थरूर भाजपा में जाने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि जिसका थरूर ने खंडन भी किया है।
- लेकिन थरूर के कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल नहीं होने से यह तल्खी बढ़ती जा रही है और अटकलों का बाज़ार भी गर्म हो रहा है।

जाने माने कूटनीतिज्ञ थरूर के कांग्रेस नेतृत्व के साथ तलख रिश्ते हैं, खासकर उनके द्वारा प्रधानमंत्री और सत्ताधारी भाजपा की प्रशंसा करने वाले

टिप्पणियों के कारण। इनमें अप्रैल 22 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर (पाकिस्तान पर प्रतिशोधी सैन्य

हमले) के संदर्भ में प्रधानमंत्री की सराहना करने वाले बयान शामिल हैं, साथ ही पार्टी और उसके नेतृत्व के मुद्दों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुष्कर्म मामले में आरोपी क्रिकेटर को अनुसंधान में शामिल होने के निर्देश

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में आरोपी क्रिकेटर यश दयाल को तीस जनवरी तक जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अनुसंधान में शामिल होने के आदेश

- हाई कोर्ट ने क्रिकेटर को अंतरिम राहत देते हुए गिरफ्तारी पर रोक भी लगाई।

दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने यश दयाल को अंतरिम राहत देते हुए उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश यशदयाल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अग्रिम जमानत याचिका में कहा गया कि पीड़िता साल 2०23 में कानपुर में घटना होना बता रही है, जबकि मामला दो साल बाद जयपुर के सांगानेर थाने में दर्ज कराया है। इसके अलावा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज हाई कोर्ट में कार्यदिवस, वकील पैरवी नहीं करेंगे

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ द्वारा इस साल से माह में दो शनिवार न्यायिक कार्य दिवस घोषित करने पर शनिवार को वर्किंग डे रहेगा, हालांकि वकीलों ने विरोध स्वरूप स्वेच्छा से न्यायिक कार्य से दूर रहकर पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया है। वकीलों में इस बात का भी रोष है कि मामले में गठित कमेटी की रिपोर्ट से

- वकीलों की शिकायत है कि उन्हें पाँच जनों की कमेटी की रिपोर्ट की जानकारी दिये बिना शनिवार की सूची बनाई गई।

वकीलों को अवगत नहीं कराया गया। ऐसे में हाईकोर्ट बार, जयपुर और जोधपुर स्थित एडवोकेट्स एसोसिएशन व लॉयर्स एसोसिएशन ने कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है।

हाईकोर्ट बार अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने बताया कि पूर्व में इस संबंध में विवाद होने पर हाईकोर्ट प्रशासन ने पांच जजों की कमेटी बनाई थी। जिसे 21 जनवरी तक एक्टिंग सीजे की रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन इस कमेटी की रिपोर्ट की जानकारी एसोसिएशन को नहीं दी गई और शनिवार को मुकदमों की सुनवाई की सूची जारी कर दी गई। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगले सप्ताह एमेज़ॉन 14,००० कर्मचारियों की छंटनी करेगा

ये सभी पद मैनेजमेंट वर्ग से संबंधित हैं

- कंपनी से जुड़े दो लोगों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि यह सब एआई की वजह से हो रहा है।
- ज्ञातव्य है कि एमेज़ॉन ने 30,000 कर्मचारियों की छंटनी का लक्ष्य तय किया है। इसका पहला चरण गत वर्ष अक्टूबर में हुआ था, जिसमें 14,000 कर्मचारी निकाले गए थे और दूसरा चरण मंगलवार को हो सकता है, उसमें भी इतने ही कर्मचारी निकाले जाएंगे।

यह भी चेतावनी दी कि एमेज़ॉन की योजनाओं के विवरण में बदलाव हो सकता है।

सिएटल ऑनलाइन रिटेलर ने अक्टूबर में की गई छंटनी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर के बढ़ते प्रभाव से जोड़ा था, और एक आंतरिक पत्र में कहा था कि “एआई की यह पीढ़ी इंटरनेट के बाद सबसे परिवर्तनकारी तकनीक है, और यह कंपनियों को पहले से कहीं अधिक तेजी से नवाचार करने की क्षमता प्रदान कर रही है।”

हालांकि, कंपनी के सीईओ एंडी जैसी ने कंपनी की तीसरी तिमाही की आय पर विश्लेषण के दौरान विश्लेषकों से कहा था कि यह छंटनी “वास्तव में वित्तीय कारणों से नहीं है और न ही यह

पूरी तरह से एआई से प्रेरित है। इसके बजाय, एक तरह का चलन है, यानी कंपनी में बहुत अधिक नौकरशाही हो गई है।”

उन्होंने कहा, जब कंपनी बढ़ती है तो कर्मचारियों की संख्या बढ़ जाती है और उनके स्तर भी बढ़ जाते हैं।”

जैसी ने पहले 2025 में कहा था कि वे उम्मीद करते हैं कि एमेज़ॉन का कॉर्पोरेट कार्यबल धीरे-धीरे घटेगा, क्योंकि एआई के उपयोग से दक्षताएं प्राप्त होंगी।

कंपनियाँ लगातार एआई का उपयोग अपने सॉफ्टवेयर के लिए कोड लिखने और सामान्य कार्यों को स्वचालित करने वाले एआई एजेंटों को अपनाने में कर रही हैं, क्योंकि वे लागत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘बांग्लादेश चुनावों में दखल दे रहा है अमेरिका’

बांग्लादेश की निर्वासित प्र.मंत्री शेख हसीना ने एक रिकॉर्डेड ऑडियो मैसेज में आरोप लगाया

- भारत में निर्वासित जीवन जी रही शेख हसीना ने बांग्लादेश की अराजकता और हिंसा के लिए पहली बार यूनुस सरकार की कड़ी आलोचना की।
- शेख हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अमेरिकन डिप्लोमैट्स इस्लामी चरमपंथियों से संपर्क कर रहे हैं।

राजनयिक इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों से संपर्क बना रहे हैं और अशांत हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

रिपार्ट साफ बता रही हैं कि अमेरिकी दूतावास के प्रतिनिधि बांग्लादेश के उत्तरी जिले सिलहट गए थे, जहां उन्होंने चमात-ए-इस्लामी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह संगठन भारत-विरोधी और पाकिस्तान-समर्थक के रूप में जाना जाता है। ये लोग बांग्लादेश को एक कट्टर इस्लामी राष्ट्र बनाने की मुहिम चला रहे हैं।

बांग्लादेश में दो महीनों में संसदीय चुनाव होने हैं और सत्ता हासिल करने के लिए जोरदार जोड़-तोड़ चल रही है।

पूरा चुनावी माहौल काफी हद तक भारत से रिश्तों के मुद्दे पर टिका हुआ है। हालांकि बांग्लादेश को पाकिस्तान की सेना से आजाद कराने में भारत की अहम भूमिका रही थी, लेकिन इसके बावजूद, देश जल्दी ही एक इस्लामी गणराज्य में बदल गया और भारत-विरोधी रुख अपनाने लगा।

1971 में आजादी पाने के तुरंत बाद, देश के महान स्वतंत्रता सेनानी शेख मुजीबुर रहमान की नृशंस हत्या कर दी गई। इसके बाद, एक के बाद एक, सैन्य तख्तापलट हुए और लोकतंत्र काफी समय बाद काफी बहाल हो पाया। लेकिन करीब डेढ़ साल पहले शेख हसीना की सरकार की बेदखली के बाद,

देश पूरी तरह अराजकता और कानूनहीनता की स्थिति में डूब गया। बांग्लादेश में जमातियों का मुख्य गुस्सा बांग्ला सैन्य तौर पर हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ देखने को मिला।

शेख हसीना के शत्रु छोड़ने के बाद से हिंदुओं पर हमलों की अनेक घटनाएं हुई हैं और कई हिंदू युवकों की खुलेआम हत्या की गई है। एक मामले में एक हिंदू गारमेंट फैक्ट्री कर्मचारी को पीट-पीटकर मार डाला गया और बाद में उसके शव को ठोकरें मारी गई और आग लगा दी गई।

इस घटना से पूरी दुनिया में भय और आक्रोश पैदा हुआ था, जिसमें अमेरिका के कुछ सांसद भी शामिल थे। लेकिन अब वही अमेरिकी प्रशासन वहां के इस्लामी तत्वों से नजदीकी बढाने की कोशिश कर रहा है और जमातियों से बातचीत की प्रक्रिया शुरू कर रहा है।

भारत में अमेरिका की यह गतिविधि भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बदरीनाथ के कपाट 23 अप्रैल को खुलेंगे

देहरादून, 23 जनवरी। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी ग्रीष्मकालीन यात्रा के लिए 23 अप्रैल को विधि – विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। शुक्रवार को वसंत पंचमी के अवसर पर धाम के कपाट खुलने की

- परम्परा के अनुसार बसंत पंचमी के दिन कपाट खोलने की तिथि घोषित हुई।

तिथि घोषित की गई। इससे पहले गुरुवार को डिम्पर से डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के सदस्य गाडू घड़ा के साथ ऋषिकेश के लिए रवाना हुए। आज सुबह पुजारी गाडू घड़ा लेकर नरेंद्रनगर राज दरबार पहुंचे। यहां परंपरागत तरीके से भगवान बदरी विशाल धाम कपाटोद्घाटन की तिथि घोषित की गई।जिसके अनुसार भगवान बदरी विशाल के कपाट आगामी 23 अप्रैल को ब्रह्म मुहूर्त में 6:15 बजे खोले जाएंगे। जबकि गाडू घड़ा यात्रा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड व कश्मीर घाटी में भारी हिमपात

नयी दिल्ली, 23 जनवरी। उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में शुक्रवार को मौसम के बदले मिजाज के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कश्मीर घाटी और उत्तराखंड में हिमपात, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के कारण

- दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा।

जनजीवन खासा प्रभावित हुआ। कश्मीर घाटी में भारी हिमपात और जम्मू संभाग में मूसलाधार बारिश के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। राजमार्ग पर फंसे यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रकने और मौसम साफ होने तक प्रतीक्षा करने की सलाह दी गई है।

घाटी में हो रही हिमपात का सबसे व्यापक असर हवाई सेवाओं पर पड़ा है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)